'AYUSH MA' द्वारा प्रदान किया जाएगा सर्वोत्कृष्ट सम्मान आयुष नोबल अवार्ड

आयुष नोबल अवार्ड के मापदंड

आयुष ही राष्ट्र की चिकित्सा पद्धति हो और आयुष में आयुष में सभी नवीन चिकित्सीय अनुसंधान शामिल कर आयुष चिकित्सकों को उनके प्रयोगाधिकार प्रदान कर स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सके इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु इस समय पाँच संयुक्त घटकों की आवश्यकता है। तभी देश ही नहीं विश्व की चिकित्सा पद्धति आयुष घोषित हो सकेगी।

1. संगठन- AYUSH चिकित्सकों में 'राष्ट्रीय संगठन' की प्रबल भावना उत्पन्न की जाय ताकि 1-1 आयुष चिकित्सक अपने हक एवं आयुष्मा के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्राण-पण से तत्पर हो जाए, इसके लिए 'AYUSH MA' के संविधान के अनुसार आयुष्मा के उद्देश्यों की प्रप्ति की विधियों का अशिथिल रूप से पालन एवं क्रियान्वयन होना आवश्यक है, इस दिशा जिन सदस्यों/पदाधिकारियों/समाजसेवियों ने उल्लेखनीय कार्य किया हो।

2. आयुष साहित्य- AYUSH साहित्य के मूल स्वरूप को आघात पहुँचाये और अविकृत किए बिना आधुनिक परिप्रेक्ष्य में सरल, वैज्ञानिक, प्रामाणिक एवं शोधपूर्ण साहित्य का सृजन हो तथा उसके अध्ययन की 1-1 AYUSH चिकित्सक में प्रवृत्ति उत्पन्न करना आवश्यक है, इस दिशा में जिन मनीषियों/शिक्षकों/चिकित्सकों/वैज्ञानिकों ने उल्लेखनीय कार्य किया हो।

3. आयुष शिक्षा- ऐसी AYUSH शिक्षा प्रणाली, शिक्षालय और शिक्षक हो, जिनसे प्रायोगिक और सैद्धान्तिक ज्ञान में महारथ हासिल ऐसे समर्थ, सुयोग्य, शिक्षार्थी इस राष्ट्र और समाज को उपलब्ध हों, जिनमें आयुष के मूल सिद्धान्तों एवं मूल स्वरूप में आधुनिक वैज्ञानिक और आधुनिक चिकित्सीय शोधों और तथ्यों का अन्तर्भाव करते हुये आयुष के मूल सिद्धान्तानुसार ही आयुष का विश्लेषण और प्रयोग करने की प्रवृत्ति, प्रतिभा एवं क्षमता मौजूद हो। इस दिशा में कीर्त्तिमान स्थापित करने वाले मनीषी, शिक्षाविद् और राष्ट्रवादी समाजसेवी इस अवार्ड के पात्र होंगे।

4. शोध- आयुष में उसके मूल सिद्धान्तों को समग्र, समवेत और अविकृत रखते हुए आधुनिक विज्ञान एवं समय के परिप्रेक्ष्य में औषधि, साहित्य, चिकित्सा, निदान में शोध की नितान्त मांग है, इस क्षेत्र में व्यापक और वैज्ञानिक कार्य कर राष्ट्र और समाज को जिसने लोकार्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया हो।

5. चिकित्सा- आयुष के मूल सिद्धान्तों को आघात पहुँचाये बिना उनकी समग्रता रखते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण युक्त जीर्ण या तीव्र, साध्य-असाध्य-कृच्छ्रसाध्य रोगों की चिकित्सा हेतु आयुष के **''चिकित्सा मानक''** वांछित हैं। उनपर आधारित चिकित्सा, प्रयोग, अनुसंधान कर उनका अबाध-अनवरत प्रसारण, प्रकाशन और आदान-प्रदान कर जिन्होंने कीर्त्तिमान स्थापित किया हो।

इन पाँच क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य/कीर्त्तिमान स्थापित करने वाले कर्त्तव्यपरायण एवं राष्ट्रनिर्माता सर्वोत्कृष्ट चयनित चिकित्सकों/वैज्ञानिकों/शिक्षकों/आयुषसेवियों को वर्ष 2012 के नवम्बर माह में आयुष नोबेल अवार्ड प्रदान किया जाएगा।

उपर्युक्त क्षेत्रों में उल्लेखित लक्ष्य एवं मापदण्डों पर **आधारित कार्य करने हेतु 31 मार्च 2012 तक** का आयुष जगत को अवसर भी दिया जा रहा है। उपर्युक्त अवधि तक कार्य कर कीर्तिमान स्थापित करने वाले चिकित्सक/ वैज्ञानिक/शिक्षक इस **अवार्ड हेतु** अपनी प्रविष्टि भेज सकेगें। इस **अवार्ड में रू॰ 51000/- (इक्यावन हजार रू॰ मात्र) का चेक, रजतपत्र में प्रशस्ति पत्र, आयुष दीप एवं श्रीफल आदि प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा।** आयुष नोबेल अवार्ड जैसा 'AYUSH MA' का सर्वोत्कृष्ट सम्मान प्रतिवर्ष **भारत के महामहिम राष्ट्रपति जी के हाथों प्रदत्त हो।** इस दिशा में प्रयत्न जारी है।

इस पवित्र अनुष्ठान और आयुष कल्याण महायज्ञ में सहभागिता हेतु आप सभी सादर आमंत्रित हैं। विस्तृत विवरण शीघ्र ही आयुष्मा की वेबसाइट www.ayushmedicalassociation.org पर डाउनलोड किया जा रहा है, उसमें उल्लिखित नियम, शर्त्तो एवं पात्रताओं का गहनता से अध्ययन कर अवार्ड हेतु **अपनी प्रविष्टि 30 जून 2012 तक निम्न पते पर भेज सकते हैं।**

- डॉ॰ मदन गोपाल वाजपेयी
राष्ट्रीय अध्यक्ष, 'AYUSH M.A.'

अपनी प्रविष्टि निम्न पते पर भेजें:-
'आयुष नोबल अवार्ड'
आयुष मेडिकल एसोसिएशन, इंडिया
केन्द्रीय कार्या॰- कीर्त्ति नगर, नई दिल्ली
प्रशा. कार्या.- पनगरा, (बाँदा) 210129, भारत